



धमाका डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 79,325	Silver 96,500	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस योजना को सही अर्थों में लागू करें सरकार - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली 13 मई (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना को सही अर्थों में लागू करे। इस योजना के तहत प्रत्येक दुर्घटना में घायल प्रत्येक व्यक्ति अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज पाने का हकदार होगा।

जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने केंद्र को अगस्त, 2025 के अंत तक

नाबालिग फंदे पर झूला, मौत

नीमच 13 मई (निप्र)। शहर के राणण रुंडी एरिया में एक नाबालिग ने अज्ञात कारणों से अपने ही घर में पंखे से फांसी का फंदा बना कर आत्महत्या कर ली। मृतक के शव का मंगलवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया है। सिटी पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस थाना नीमच सिटी थाना अंतर्गत रावण रूंडी में पिपूष (16 वर्ष) पिता कहैया लाल जाटव सोमवार की रात में करीब 11 बजे

श्रीमती मनोरमा देवी गोयल पंचतत्व में विलीन

नीमच (निप्र)। शहर की प्रतिष्ठित कपड़ा व्यावसायी फर्म मे.पंकज कलेक्शन के संचालक पंकज गोयल एवं प्रीति गोयल की माताजी श्रीमती मनोरमा देवी गोयल धर्मपंत्ली स्व. श्री रमेशचन्द जी गोयल का सोमवार दोपहर 72 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

वे असाध्य रोग से पीड़ित थी श्रीमती गोयल हेसमुख, मिलनसार धार्मिक एवं सामाजिक व्यक्तित्व की परोपकारी महिला थी। श्रीमती गोयल महेश चन्द्र की भाभीजी, अशोक, अरूण, विजय, अजय, संजय, नीलेश, हंसराज, पुखराज की चाचीजी, नमन- मोहित की ताईजी, अनुज वंश की नानीजी



थी, एवं कुशाग्री एवं लक्ष्म गोयल की दादीजी थी । कल प्रात, जवाहर नगर स्थित निवास से निकली उनकी अंतिम यात्रा में शहर के गणमान्य नागरिको, समाजजनों एवं रिस्तेदारों ने भाग लेकर उन्हें अंतिम विदाई दी। मुक्तिधाम पर आयोजित शोकसभा में ओमप्रकाश बंसल, प्रहलादराय गर्ग, सुरेश मोदी, हरिवल्लभ मुच्छाल, राजेश डाबो, सतीश गोयल, गोपाल कृष्ण गर्ग एवं संदीप यादव सहित उपस्थित महानुभावों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। उठावना आज 14 मई बुधवार सायं 4 बजे सी. एस. अग्रोहा भवन नीमच पर रखा गया है ।

madan mali 9669999779

rajmal gayri 9926640630

SHREE DEV ENTERPRISES

GSTIN-23AHPL6502G1Z5
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

Station Road, Near Church, Nayagaon-Neemuch

GSTIN-23BSPGR689PG1Z5
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

श्रीदेव वेल्डिंग वर्क्स

स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागाँव, जिला-नीमच

मदन माली 9669999779

राजमल गायरी 9926640630

चोरों के हौंसले बुलन्द, पुलिस चौकी में खड़ी बाइक चोरी

फरियादी का आरोप दो मिनिट के लिए चौकी का केमरा बंद हुआ और चोरी हो गई, चौकी प्रभारी का कहना हमसे पूछकर बाइक खड़ी नहीं की

पिपलिया 13 मई (निप्र)। नगर में चोरों के हौंसले बुलन्द होते जा रहे है। मुख्य चौराहे पर स्थित पुलिस चौकी से बाइक चोरी का मामला सामने आया है। फरियादी ने आरोप लगाया कि दो मिनिट के लिए चौकी का केमरा बंद हुआ और उसी समय उनकी बाइक चोरी हो गई, वह दो मिनिट का फुटेज भी गायब है। इससे साफ है कि पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध है। पुलिस ने केस दर्ज कर मौजेलो की जांच शुरु कर दी है।

लिम्बावास निवासी नागपालसिंह पिता बलवंतसिंह सिसोदिया ने पुलिस चौकी पर शिकायत दर्ज कराई कि वे जावरा में सीएनजी पंप पर खर्चिस करते है। 11 मई 2025 को वे पुलिस चौकी में अपनी लाल रंग की

एचएफ डिलक्स बाइक (एमपी 14 एमवाय 5166) को सुबह 11 बजे रखकर गए थे। दूसरे दिन 12 मई को प्रातः 11 बजे पुनः आए तो बाइक नहीं थी। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का पता नहीं चला।

नागपालसिंह ने बताया कि वह पिछले चार वर्षों से बाइक को पुलिस चौकी में रखकर ही इयूटी पर जाते है। पहली बार उनकी बाइक चौकी से चोरी हो गई। फरियादी ने आगे बताया कि उनकी बाइक चोरी होने पर पुलिस चौकी का सीसीटीवी चेक किया तो 12 मई को 9.45 बजे बाइक खड़ी थी, फुटेज में पुलिस जवान व कुछ लोग भी खड़े दिखाई लेकिन उसके बाद 2 मिनिट के लिए केमरा बंद होकर चालू हो गया और 9.47 पर चालू

निर्देश देते हैं कि वह सुनिश्चित करे कि योजना को सही अर्थों में लागू किया जाए।' केंद्र ने शीर्ष दुर्घटना को योजना तैयार किए जाने की जानकारी दी और कहा कि यह पांच मई से लागू हो चुकी है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की गजट अधिसूचना के अनुसार, 'किसी भी सड़क पर मोटर वाहन दुर्घटना का शिकार होने वाला कोई भी व्यक्ति इस योजना के प्रविधानों के अनुसार कैशलेस उपचार का हकदार होगा। शीर्ष अदालत ने मोटर दुर्घटना पीड़ितों के इलाज के लिए कैशलेस योजना तैयार करने में देरी को लेकर 28 अप्रैल को केंद्र सरकार की खचाई की थी और कहा था कि उसके आठ जनवरी के आदेश के

बावजूद केंद्र ने न तो निर्देश का पालन किया और न ही समय बढ़ाने की मांग की।

शीर्ष अदालत ने कहा कि हालांकि मोटर वाहन अधिनियम की धारा-164ए को एक अप्रैल, 2022 को तीन वर्ष की अवधि के लिए लागू किया गया था, लेकिन केंद्र ने दावेदारों को अंतरिम राहत देने के लिए योजना बनाकर इसे लागू नहीं किया। पीठ ने कहा था, 'आप अवमानना कर रहे हैं। आपने समय-सीमा बढ़ाने की जहमत नहीं उठाई। यह क्या हो रहा है? आप हमें बताएं कि आप योजना कब बनाएंगे? आपको अपने ही कानूनों की परवाह नहीं है। यह कल्याणकारी प्रविधानों में से एक है। तीन वर्ष पहले यह प्रविधान लागू हुआ था। क्या आप वाकई आम आदमी के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं?'

एमपी के मंत्री का कर्नल सोफिया पर आपत्तिजनक बयान....

जिन्होंने बहनों का सिंदूर उजाड़ा, उन्हीं की बहन को भेजकर ऐसी-तैसी कराई - विजय शाह



लागाई जिसके बाद मंत्री शाह के सूर बदल गए। शाह ने यह भी कहा कि उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा। अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते

भोपाल समेत कई जिलों में बारिश, पूरे एमपी में अलर्ट

भोपाल 13 मई (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में मंगलवार को भी तेज आंधी और बारिश का दौर जारी रहा। भोपाल में दोपहर में तेज बारिश हुई। करीब आधे घंटे में पूरा शहर तरबतर हो गया। हवा की रफ्तार तेज होने से बड़े तालाब की लहरें एक से डेढ़ फीट तक ऊपर उठ गईं। धार, रतलाम, रायसेन, विदिशा में भी बारिश हुई। वहीं, बालाघाट के मलाजखंड में सर्वा इंच से ज्यादा पानी गिर गया। बारिश-आंधी के बीच कई शहरों में गर्मी का असर भी देखने को मिला। सबसे गर्म खजुराहो रहा, जहां तापमान 42.4 डिग्री दर्ज किया गया। नौरांव में 42 डिग्री, सतना में 41.8 डिग्री, रीवा में 41.2 डिग्री, उमरिया में 41.1 डिग्री, टीकमगाढ़ में 41 डिग्री, सीधी में 40.8 डिग्री, नरसिंहपुर में 40.4 डिग्री, गुना में 40.2 डिग्री और मंडला में पारा 40 डिग्री सेल्सियस रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 38.2 डिग्री, इंदौर में 36.3 डिग्री, ग्वालियर में 41.4 डिग्री, उज्जैन में 38.5 डिग्री और जबलपुर में पारा 38.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

होआ तो बाइक नहीं दिखाई दे रही है। जब पुलिस से पूछा तो उनका कहना था कि केमरा 2 मिनिट के लिए जप हो गया है, इसलिए फुटेज नहीं आया। जबकि एसा होता नहीं है। फरियादी ने यह भी बताया कि पुलिस कार्रवाई करने के बजाए उन्हें ही उल्टा धमकाने लगी कि तुमने किससे पूछकर बाइक को पुलिस चौकी में खड़ी की।

चोरियां ही चोरियां, खुलासा एक का भी नहीं - पिपलियामंडी क्षेत्र में बाइक चोरी होना आम बात है, लेकिन अन्य चोरियों का खुलासा करने में भी पुलिस की सुस्ती है। पिछले घटनाओं को देखे तो 7-8 मई 2025 को रात्रि गांव गुड़भेली बड़ी से बड़्रीलाल तेलकार के बाड़े में खड़ा टेक्टर चोरी हो गया। 2 मई की रात्रि व्यस्ततम

सीबीएसई 10वीं के नतीजे में एक बार फिर बेटियां अत्वल



भोपाल 13 मई (एजेंसी)। सीबीएसई बोर्ड ने 10वीं परीक्षा के रिजल्ट जारी कर दिया है। इसके साथ ही 10वीं स्टूडेंट्स का इंतजार आज खत्म हो गया। बता दें कि पिछले साल बोर्ड ने 13 मई को रिजल्ट घोषित किया था। लेकिन इस बार भी 13 मई को ही रिजल्ट घोषित किया गया है। मध्य प्रदेश में हर साल की तरह इस साल भी लड़कियां ही अत्वल रही हैं। भोपाल रीजन का रिजल्ट 92.71 % रहा। स्टूडेंट्स अपना रिजल्ट cbse.gov.in पर चेक कर सकते हैं। बता दें कि रिजल्ट घोषित होने के बाद भी स्टूडेंट्स रिजल्ट देखने को परेशान रहे, क्यों कि आधिकारिक वेबसाइट्स पर रिजल्ट कर्मिंग सून ही लिखा आ रहा था।

इंदौर पुलिस ने 40 लाख रुपये के नकली नोटों के साथ 2 आरोपियों को दबोचा

इंदौर 13 मई (एजेंसी)। पलासिया पुलिस ने सोशल मीडिया मॉनिटरिंग करते हुए एक लाख रुपये के नकली नोट के एवज में 4 लाख रुपये देने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है ,तो वहीं पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने 40 लाख रुपये के नकली नोट भी बरामद किए हैं और उनसे से पूछताछ की जा रही है ।

इंदौर की पलासिया पुलिस के द्वारा लगातार फेसबुक और सोशल मीडिया पर मॉनिटरिंग की जा रही थी, इसी दौरान एक व्यक्ति के द्वारा फेसबुक पर इस बात का जिक्र किया गया कि यदि किसी को एक लाख रुपये के असली नोट के एवज में 4 लाख रुपये के असली नोट चाहिए तो जरूर बताएं , इसके बाद इस पूरे मामले में पलासिया पुलिस ने काफी बारीकी से जांच पड़ताल

करते हुए महाराष्ट्र के जलगांव के रहने वाले युवक प्रथमेश और उसके एक साथी दीपक जो की मह् थाना क्षेत्र का रहने वाला था उसे चिन्हित किया ।

40 लाख रुपये के नकली नोट पुलिस ने किए बरामद -पलासिया पुलिस ने ग्राहक बन कर उनसे बात कर डील फायनल की और उन्हें इंदौर में डिलीवरी देने के लिए बुलाया, जैसे ही दोनों युवक इंदौर में डिलीवरी देने के लिए आए तो उनसे से पूछताछ की गई, इस दौरान उनके पास से 40 लाख रुपये के नकली नोट पुलिस ने बरामद किए, वहीं पुलिस ने आठ हजार असली नोट

भी बरामद किए हैं । पकड़े गए आरोपियों ने फेसबुक और सोशल मीडिया के माध्यम से ही लोगों को लगातार उगाने की प्लानिंग बनाई हुई थी, वह नकली नोटों की गड़ियां में कुछ असली नोट मिलकर लोगों को उगते थे. जब कुछ लोगों के द्वारा एक लाख के एवज में चार लाख रुपये देने की बात पूछी जाती थी, तो आरोपियों के द्वारा अलग अलग तरह की परेशानी बता दी जाती थी, जिसमे मुख्य रूप से कटे फटे नोट भी शामिल रहते थे, साथ ही इतनी तादाद में यदि पांच सौ रुपये के नोट बाजार में लेकर गए तो पुलिस के द्वारा कार्रवाई करने का

डर भी बताया जाता था ।

गड़ियों के ऊपर और नीचे असली नोटों को लगा कर खपा दिया जाता था - इसी तरह से वह लगातार लोगों को उग रहे थे, पुलिस ने जिन नोटों की गड़ियों को बरामद किया है उन गड़ियों के ऊपर और नीचे असली नोटों को शामिल कर नकली नोट को बाजार में खपा दिया जाता था, इस दौरान यदि उनसे कोई नोटों की गड़ियों को देखने की बात करता था तो वह गड़ियों में से बीच में से असली नोट दिखाकर बता देते थे, इस तरह से वह कई लोगों को अभी तक इस तरह से नकली नोट थमा चुके हैं ।

सीबीएसई 12वीं रिजल्ट : एमपी में 82.46% स्टूडेंट पास:लड़कियों का परिणाम लड़कों से 6 फीसदी बेहतर

भोपाल 13 मई (एजेंसी)। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने 12वीं बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। इस साल 88.39% स्टूडेंट पास हुए हैं। मध्यप्रदेश का रिजल्ट 82.46 प्रतिशत रहा है। रिजल्ट CBSE की ऑफिशियल वेबसाइट cbse.gov.in, results.cbse.nic.in पर देखा जा सकता है। इसके अलावा DigiLocker, UMANG एप और SMS सेवाओं के जरिए भी रिजल्ट चेक किया जा सकता है।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू हुई थीं। मध्यप्रदेश में 475 जबकि भोपाल में 36 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। मध्यप्रदेश में सीबीएसई के कुल 1252 स्कूल हैं। इस साल पहली बार है कि परीक्षा से 86 दिन पहले डेटशीट जारी की गई थी। इसकी वजह है कि इस बार स्कूलों ने समय से LOC यानी लिस्ट ऑफ कैंडिडेट्स भरी है।

इंदौर की अनन्या शर्मा को मिले 99.2% - इंदौर से 12वीं की टॉपर अनन्या शर्मा (99.2) ने बताया कि जितना मन होता था उतना पढ़ती थी, पर नियमित और

पूरी लगन से। नोट्स बनाकर पढ़ने से मदद मिली। मैं लॉ की तैयारी कर रही हूं। परीक्षा के समय सोशल मीडिया से दूर नहीं रही। खूब घूमी पर उन्हें कभी अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।

मॉरिट लिस्ट जारी नहीं करता सीबीएसई - CBSE बोर्ड मॉरिट लिस्ट जारी नहीं करता है। इसके अलावा रिजल्ट में कोई टॉपर भी घोषित नहीं किया जाता है। बोर्ड सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को ये निर्देश भी देता है कि किसी भी बच्चे को स्कूल या जिले का टॉपर घोषित न करें।

12th

के बाद

सफर जोश का

मंजिल कामयाबी की

MPPSC, SSC, BANK

रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए

और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इक्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये

22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।

घनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास, भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

ज्ञानोदय

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में

आयुष्मान योजना लागू

5 लाख रूपए

प्रति वर्ष, पात्र परिवार को **निःशुल्क उपचार**

GMH

...where healing begins.

आयुष्मान भारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार,अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों कें उपचार **निःशुल्क** किए जाएंगें –

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंभीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर्स

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

ज्ञानोदय महाविद्यालस के पीछे, कनावटी, नीमच ८6262778282

पाकिस्तान पर भारत की कार्रवाई : झूठी धारणा में न फंसे



अवधेश कुमार

जो नेतृत्व पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की सीमा में सटीक मिसाइलें दाग कर आतंकवादी केंद्रों को ध्वस्त करता है, जिसकी पाकिस्तान क्या अमेरिका कल्पना नहीं कर सकता था वह विश्वासघाती और उन्मादी मजहबी सोच के आधार पर विदेश और सैन्य नीति चलाने वाले देश के साथ बातचीत फिर घाव देने का अवसर देगा ऐसी कल्पना नहीं की जानी चाहिए।

भारत-पाकिस्तान के बीच सैनिक संघर्ष रु करने पर हम देश की प्रतिक्रिया देखें तो बड़ा वर्ग, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मोदी सरकार और भाजपा के समर्थक कार्यकर्ता शामिल हैं नाखुश दिखाई देते हैं।

इन्हें लगता है कि भारत के पास पाकिस्तान को धूल चटाकर, ऐसा पंगु बना देने का अवसर था जिससे वह लंबे समय तक भारत को घाव देने की सोचे भी नहीं। दूसरी ओर ऐसे लोग भी हैं जिन्हें लगता है कि भारत इस समय लंबे युद्ध कर पाकिस्तान को पराजित करने की लड़ाई नहीं लड़ रहा था। इसलिए तत्काल लंबा खींचना उचित नहीं था होता। प्रश्न है कि सैन्य टकराव रु करने को किस तरह देखा जाए?

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले में धर्म पूछ कर मारे गए 25 एवं एक अन्य की हत्या के बाद अतीत का चरित्र त्याग कर पाक सीमा में स्थित नौ सभी महत्त्वपूर्ण आतंकवादी केंद्रों को ध्वस्त किया और तत्काल यही उद्देश्य था। इस तरह भारत ने सीमा पार आतंकवाद के विरुद्ध बदले हुए चरित्र वाले राष्ट्र का प्रमाण पेश किया। जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टवीट आया कि लंबी बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने सीजफायर यानी युद्धविराम स्वीकार किया, टीवी चैनलों पर बैठे पूर्व सैनिकों और विशेषज्ञों को भी हैरत हुआ। उसके बाद अमेरिका के विदेश मंत्री मार्क रूबियो का टवीट आ गया जिससे जानकारी मिली कि उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स लगातार दोनों देशों से बातचीत कर रहे थे। लेकिन भारत ने 5 बजे विदेश सचिव विक्रम मिश्री के माध्यम से इसकी घोषणा करवाई।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसके लिए स्टंपिज आफ फायरिंग एंड मिलिट्री एक्शन यानी गोलाबारी तथा सैन्य कार्रवाई के रूकने पर सहमति की बात की। भारत ने सीजफायर या युद्धविराम शब्द प्रयोग नहीं किया। यह शब्द पहले अमेरिका की ओर से आया और पाकिस्तान ने उपयोग किया। पाकिस्तान के साथ हमारा युद्धविराम समझौता पहले से है जिसे वह तोड़ रहा था। चाहे आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त करना हो या पाकिस्तान को सैन्य कार्रवाई से उत्तर; देश और विश्व को दी जाने वाली जानकारी में नये रूप में भारत सामने आया है।

11 मई को सेना के तीनों अंगों के डीजीएमओ ने पत्रकार वार्ता में स्पष्ट कर दिया कि अभी हम युद्ध की स्थिति में हैं और पूरी जानकारी देना उचित नहीं होगा। इसका अर्थ हुआ कि सेना अभी जहां जैसे थी वैसे रहेगी। पाकिस्तान ने आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त करने को अपने पर हमला



मानकर कार्रवाई की थी और भारत को उसका उत्तर देना पड़ा। भारत दीर्घकालीन युद्ध की सोच से पाकिस्तान की सीमा में आतंकवादी केंद्रों को ध्वस्त करने नहीं गया था। देश में वातावरण इस कारण बना क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने जैसा पराक्रम दिखाया है उसको तार्किक परिणति या निर्णायक अवस्था में ले जाने की सामूहिक अपेक्षा पैदा हो गई। हालांकि पहलगाम आतंकी हमले के पहले किसी ने नहीं कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर के लिए हमला करिए या पाकिस्तान पर हमला करिए।

जो विपक्षी दल आतंकवादी हमले पर सीमा पार करने से बचते रहे क्योंकि पाकिस्तान की प्रतिक्रियाओं से डरते थे

वह भी सामूहिक रूप से सरकार पर प्रहार कर रहे हैं। प्रश्न है कि क्या सर्वदलीय बैठक में सभी दलों ने सरकार से पाक अधिकृत कश्मीर लेने या पाकिस्तान से अंतिम सीमा तक युद्ध करने की मांग की थी? क्या सरकार ने ऐसी कोई बात कही थी? यह दुर्भाग्य है कि पाकिस्तान और आतंकवादी के विरुद्ध इतनी बड़ी विजय और सफलता को भुलाकर जो है नहीं उसकी झूठी नैरेटिव बना दी गई है। ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति यदि लिखें कि हमारी मध्यस्थता में रातभर चली लंबी बातचीत के बाद मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान तुरंत और पूरी तरह हमले रोकने के लिए तैयार हो गए हैं तो भारत में चिंता स्वाभाविक होगी।

पाकिस्तान में पनप रहे गृह युद्ध के हालात?



अपने ही देश में बारूद के ढेर स्थापित कर दिए हैं। यह बारूद के ढेर आतंकी सरगनाओं द्वारा चल रहे प्रशिक्षण शिविर हैं। जहां आतंकी पैदा किए जाते हैं। आज जहां पूरे विश्व में आतंक के विरोध में वातावरण है, वहीं पाकिस्तान आतंकियों को पालने और पोषण वाले देश के रूप में पहचान बना चुका है। यह कई बार प्रमाणित भी हो चुका है। आज भी पाकिस्तान के अंदर अंतरराष्ट्रीय आतंकी तौर पर घोषित आतंकी छिप कर बैठे हैं। भारत ने आपरेशन सिन्दूर के तहत जिस तरह से आतंकी शिविरों पर आक्रमण किया था, उससे एक बार फिर यह सिद्ध हो चुका है कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को पैदा करने के उद्योग चल रहे हैं। पाकिस्तान को आतंक के विरोध में कार्यवाही करने के लिए कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन पाकिस्तान सरकार आतंकियों के विरोध में कोई ठोस अभियान

नहीं चलाती। इसका कारण यह भी है कि पाकिस्तान की राजनीति को आतंकी ही संचालित करते हैं। आतंकियों द्वारा कई बार सरकार को बनाने के लिए राजनीतिक दलों का समर्थन भी दिया जाता है। जब पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार थी, तब यही कहा जाता है कि इमरान को सेना और आतंकियों का समर्थन मिला था। आज इमरान की पार्टी विपक्ष में है। इसलिए उनकी पार्टी के कार्यकर्ता सरकार के विरोध में वातावरण बनाने में लगे हुए हैं। पाकिस्तान के अंदर राजनीतिक विद्वेष इतना है कि जो भी राजनीतिक दल सत्ता में आता है, वह अपने पूर्ववर्ती सत्ता प्रमुख को ठिकाने लगाने को ही अपना प्रमुख कार्य मानता है। अभी शहवाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, उन्होंने अपने से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर कई आरोप लगाकर जेल भेजने का काम किया। पाकिस्तान

में ऐसा पहली नहीं हुआ। ऐसा पहले भी हो चुका है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि यह पाकिस्तान की नियति बन चुका है। जिसके कारण पाकिस्तान के राजनीतिक दलों में बहुत गंभीर मतभेद हैं। आज पाकिस्तान में भले ही पाकिस्तान मुस्लिम लीग के नेता शहवाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, लेकिन पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो भी सरकार में शामिल हैं। कभी एक दूसरे के धुर विरोधी रहे यह दोनों दल बेमेल गठबंधन करके पाकिस्तान में सरकार चला रहे हैं। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि इन दोनों दलों का एक ही उद्देश्य था, इमरान खान को सत्ता में आने से रोकना। सबसे ज्यादा सीट प्राप्त करने के बाद भी इमरान को विपक्ष की भूमिका से संतुष्ट होना पड़ा। अब इमरान खान के समर्थक युद्ध विराम के बाद सरकार के विरोध में अभियान छेड़े हुए हैं इसी प्रकार ब्लूचिस्तान की भूमिका के बारे में सब जानते हैं। बीएलए के सैनिकों ने पाकिस्तान की सेना पर कई बार आक्रमण करके यह जता दिया है कि वे अब पाकिस्तान के साथ नहीं रह सकते। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही जग के बीच ब्लूचिस्तान ने भी पाकिस्तान की सेना को निशाना बना कर कई आक्रमण किए। इससे पूर्व ब्लूचिस्तान के लड़ाकों ने जफर एक्सप्रेस को हाई जैक करके पाकिस्तान की सरकार के समक्ष चुनौती पूर्ण हालात पैदा कर दिए थे। ब्लूचिस्तान लम्बे समय से पाकिस्तान से आजादी की मांग कर रहा है।

दूसरी ओर पाकिस्तान के अंदर सिंध और पंजाब में भी कई बार सरकार के विरोध में स्वर मुखरित हो चुके हैं। कहा जाता है कि इन दोनों राज्यों के साथ सरकार ने उपेक्षित व्यवहार किया है। जिसके कारण पाकिस्तान की सरकार को जनता के विरोध का सामना करना पड़ा है। यह सारी स्थिति पाकिस्तान को गृह युद्ध की ओर भी ले जा सकती हैं।

स्मार्ट डिवाइसेज : क्या कृत्रिम दुनिया में कैद हैं हम

राहत दे सकते हैं। जब हम अकेलेपन में डूबे होते हैं और किसी से बात करने का मन नहीं करता, तो हम अपने स्मार्ट स्पीकर से संवाद करते हैं। ये उपकरण हमें तुरंत जवाब देते हैं, जिससे हमें क्षणिक सुकून मिलता है। कुछ अध्ययनों का दावा है कि ऐसे यंत्रों से बातचीत एकाकीपन को कम कर सकती है, खासकर उन लोगों में जो सामाजिक रूप से कटे हुए हैं। मगर क्या यह सुकून सच्चा है? इन डिवाइसेज के साथ संवाद करते समय हम एक कृत्रिम भावनात्मक रिश्ता जोड़ लेते हैं। हम उन्हें केवल मशीन नहीं, बल्कि एक सहायक या साथी मानने लगते हैं। यह रिश्ता हमें तात्कालिक राहत देता है, मगर लंबे समय में यह हमें वास्तविक मानवीय रिश्तों से दूर ले जाता है। हम दोस्तों या परिवार से बात करने के बजाय अपने स्मार्ट डिवाइस से सवाल पूछना ज्यादा आसान समझते हैं। यह प्रवृत्ति सामाजिक दूरी को बढ़ाती है और एकाकीपन को और गहरा करती है। मनोवैज्ञानिक बताते हैं कि मानवीय संपर्क-चाहे वह आमने-सामने हो या दूरभाष पर-हमारे मानसिक कल्याण की रीढ़ है। स्मार्ट डिवाइसेज, चाहे कितने भी बुद्धिमान हों, इस संपर्क की गहराई और भावनात्मक तुष्टि नहीं दे सकते। इसके साथ ही, स्मार्ट डिवाइसेज का अत्यधिक उपयोग हमारी रचनात्मकता और स्वतंत्र चिंतन को कमजोर कर सकता है। जब हर सवाल का जवाब एक आवाज के आदेश पर उपलब्ध हो, तो हम खुद सोचने और समस्याएं हल करने की कला भूलने लगते हैं। यह खासकर बच्चों और युवाओं के लिए खतरनाक है, जिनका मस्तिष्क अभी विकसित हो रहा है। यदि वे हर जानकारी के लिए स्मार्ट डिवाइसेज पर निर्भर

रहेंगे, तो उनकी संज्ञातात्मक क्षमताएं सिकुड़ सकती हैं। उदाहरण के लिए, पहले लोग नक्शे पढ़कर रास्ता ढूँढते थे, जिससे उनकी स्थानिक बुद्धि पुष्ट होती थी। आज हम जीपीएस और स्मार्ट डिवाइसेज के भरोसे हैं, जिससे यह क्षमता धीरे-धीरे लुप्त हो रही है। स्मार्ट डिवाइसेज हमारी गोपनीयता को भी खतरे में डालते हैं, जो हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर अप्रत्यक्ष रूप से असर डालता है। ये यंत्र हमारी बातचीत को रिकॉर्ड करते हैं और हमारी रु चियों का विश्लेषण करते हैं। कई लोगों को यह डर सताता है कि उनकी निजी जानकारी रात भर हाथों में पड़ सकती है। यह चिंता तनाव और अविश्वास का जन्म देती है, जो हमारे मन की शांति को भंग करती है। हालांकि कंपनियां डेटा सुरक्षा का दावा करती हैं, मगर डेटा उल्लंघन की घटनाएं इस विश्वास को कमजोर करती हैं। दूसरी ओर, स्मार्ट डिवाइसेज कुछ मामलों में मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी भी हो सकते हैं। कई स्मार्ट स्पीकर्स में ध्यान और माइंडफुलनेस के लिए गाइडेड सत्र उपलब्ध हैं, जो तनाव प्रबंधन और नींद में सुधार में सहायक हैं। स्मार्ट डिवाइसेज का प्रभाव हमारी जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। यदि हम इनका उपयोग जागरूकता और संयम के साथ करें, तो ये हमारे जीवन को समृद्ध बना सकते हैं मगर अगर हम इन पर आंख मूंदकर निर्भर हो जाएं, तो ये हमारी भावनात्मक और संज्ञानात्मक शक्तियों को कमजोर कर सकते हैं। हमें यह समझना होगा कि तकनीक हमारी सेवक है, न कि हमारी स्वामिनी। अपने मानसिक कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए, हमें वास्तविक दुनिया से जुड़े रहना होगा-चाहे वह प्रकृति



की गोद में समय बिताना हो, अपनों से दिल की बातें साझा करना हो, या स्वतंत्र रूप से चिंतन करना हो। स्मार्ट डिवाइसेज के साथ हमारा रिश्ता एक नाजुक डोर पर टिका है-यह हमें सशक्त बना सकता है, मगर लापरवाही बरती तो हमारे मन की शांति को छीन भी सकता है। हमें हर कदम पर खुद से पूछना होगा: क्या ये यंत्र हमारी जरूरतों को पूरा कर रहे हैं, या हमें एक कृत्रिम दुनिया में कैद कर रहे हैं? हमारी भावनाएं और विचार मशीनों के लिए नहीं, बल्कि इंसानों के लिए हैं। तकनीक ने हमें अनभिज्ञत उपहार दिए हैं, मगर हमारा मन हमारी अपनी अमानत है। इस अमानत को संभालने की कला ही हमें सिखाएगी कि स्मार्ट डिवाइसेज हमारे जीवन को संवॉरें, न कि मन की शांति को बिखेरें।

संपादकीय

बायर राजस्थान में छोटे किसानों की उपज और आय बढ़ाने के उद्देश्य से मानसून मत्का महोत्सव का करेगा आयोजन

चित्तौड़गढ़/ प्रतापगढ़। स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र में कार्यरत वैश्विक कंपनी बायर, राजस्थान के बारां, झालावाड़, बूंदी, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ जिलों के गांवों में मक्का की खेती पर केंद्रित किसान कार्यशालाएं आयोजित कर रही है। इन कार्यशालाओं के जरिए किसानों को मक्का के भोजन, पशुओं के चारे और सतत ईंधन के रूप में महत्व के बारे में जानकारी दी जाएगी। यह पहल बायर के संकल्प को दिखाती है, जो छोटे किसानों को बेहतर पैदावार और अधिक आय प्राप्त करने में मदद करने के लिए काम कर रही है।

इस पहल पर बात करते हुए, भारत, बांग्लादेश और श्रीलंका में बायर के क्रॉपसाइंस डिवीजन के क्लस्टर कमर्शियल लीड, मोहन बाबू ने कहा, 'बायर में हम मक्का किसानों को बदलते कृषि परिदृश्य में सफल होने के लिए आवश्यक उपकरण, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करने में विश्वास करते हैं। खरीफ, भारत के कुल मक्का उत्पादन में एक प्रमुख योगदानकर्ता है, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि हम इस मौसम के दौरान पैदावार बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करें। अपनी कार्यशालाओं के माध्यम से, हम उत्पादकों को नवाचार अपनाने, उत्पादकता बढ़ाने और मक्का मूल्य श्रृंखला की गतिशील आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बना रहे हैं। राजस्थान जैसे प्रमुख राज्यों में मक्का उत्पादन का समर्थन करके, बायर भारत की आत्मनिर्भरता की यात्रा में सार्थक योगदान देने का प्रयास करता है।' ये इंटरैक्टिव (संवादात्मक) कार्यशालाएं किसानों को उन्नत फसल प्रबंधन तकनीकों की पूरी जानकारी देंगी, जिससे उनकी उत्पादकता में सुधार होगा और मृदा स्वास्थ्य भी बेहतर होगा। इसमें कृषि की सर्वोत्तम प्रथाओं का लाइव प्रदर्शन किया जाएगा, जिससे किसान नई तकनीकों को वास्तविक रूप में देख सकेंगे। साथ ही, वे उन किसानों की सफलता की कहानियाँ सुनेंगे जिन्होंने DEKALB हाइब्रिड्स का इस्तेमाल कर बेहतर उपज हासिल की है। विशेषज्ञ सतत कृषि तकनीकों के बारे में मार्गदर्शन देंगे, ताकि किसान मिट्टी की सेहत बनाए रखते हुए अपनी फसल की उत्पादकता बढ़ा सकें। इसके अलावा, FarmRise ऐप के माध्यम से QR कोड आधारित पुरस्कार प्रणाली किसानों को प्रोत्साहन प्रदान करेगी और उन्हें बेयर के कृषि नेटवर्क से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

चिंतन-मन

संत का धन

उन दिनों विजय नगर में संत पुरंदर की ख्याति बढ़ती ही जा रही थी। हर प्रकार के मोह-माया से मुक्त त्यागमूर्ति पुरंदर अपनी पत्नी के साथ नगर से बाहर एक कुटिया में रहते थे और भिक्षा मांग कर गुजारा करते थे। उनके नाम की चर्चा उड़ते-उड़ते राजा कृष्णदेव राय तक भी पहुंची। उन्हें लगा कि उन्हें संत के लिए कुछ करना चाहिए। एक दिन उन्होंने तेनालीराम से कहा-जाओ संत पुरंदर से कहो कि वे भिक्षा के लिए दर-दर न भटकें और केवल राजमहल से भिक्षा लिया करें। राजा ने इसी बहाने उनकी दरिद्रता दूर करने का उपय सोच लिया था। अब संत रोज राजमहल आने लगे। उन्होंने भिक्षा में अनाज के साथ छोटे-मोटे कीमती पत्थर भी दिए जाते थे। राजा को लगता था कि संत के पास जल्दी ही अच्छी-खासी संपत्ति जमा हो जाएगी। पर मन में सवाल भी उठता था कि आखिर ये कैसे संत हैं जो ये कीमती रत्न स्वीकार कर रहे हैं। कहीं ये संत होने का ढोंग तो नहीं कर रहे। एक दिन राजा और तेनालीराम भेष बदलकर संत की कुटिया में पहुंचे। राज को देखकर हैरत हुई कि संत की कुटिया में कोई बदलाव नहीं आया था। उनकी पत्नी चावल बीनते हुए बुदबुदा रही थी कि पता नहीं कहाँ से कंकड़-पत्थर आ जाते हैं। राजा ने चावल हाथ में लेकर कहा-पर ये तो हीरे-मोती हैं। इनसे आपकी दरिद्रता दूर हो सकती थी। संत की पत्नी ने कहा-हमारे लिए तो ये कंकड़-पत्थर ही हैं। धन और विनम्रता ही हमारा धन है। यह सुनकर राजा लज्जित हो गए। उन्होंने संत और उनकी पत्नी से क्षमा माँगी।



सुरेश हिंदुस्तानी

पहलगांव में घटित आतंकी घटना के बाद भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई से एक बार फिर से पाकिस्तान हताश और निराश दिखाई दिया। इसी हताशा के चलते पाकिस्तान ने अमेरिका के समक्ष मिन्नत करके भारत की जबरदस्त कार्यवाही को युद्ध विराम में परिवर्तित करने में सफलता प्राप्त की। लेकिन इससे पाकिस्तान पर मंडरा रहे संकट का पूरा समाधान नहीं निकल सका है। भारत की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। आतंक और वार्ता एक साथ नहीं हो सकती। इसका आशय स्पष्ट है कि भारत किसी के दबाव में नहीं है। आतंक को समाप्त करने के लिए उसका अभियान जारी रहेगा। हालांकि अब युद्ध विराम हो गया है, लेकिन चारों तरफ से बुरी तरह से घिर चुके पाकिस्तान के सामने अब नई चुनौती पैदा हो गई है। यह नई चुनौती भारत ने नहीं, बल्कि उनके अपने ही पैदा की है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार को राजनीतिक विरोधियों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है, वहीं आम जनता भी सरकार के युद्ध विराम के फैसले से नाखुश है। आम जनता अपनी ही सरकार और सेना पर कई प्रकार के सवाल खड़े करने लगी है। कहा जाता है कि जब धुआं उठा है तो आग भी अपना रूप दिखा सकती है। वैसे पाकिस्तान के बारे में यह सत्य है कि उसने



प्रो. आर.के. जैन

स्मार्ट डिवाइसेज की चमक ने हमारे जीवन को नई रोशनी से नहला दिया है। गुगल होम्स, एलेक्सा और सिरि जैसे यंत्र घरों में नहीं, बल्कि हमारे दिलों में बस गए हैं। एक आवाज के इशारे पर ये हमारे लिए गीत गाते हैं, खाना बनाने की विधियाँ सुझाते हैं और यहां तक कि हमारी दिनचर्या को संवारते हैं। मगर इस तकनीकी जादू की चकाचौंध में एक गहरा सवाल छिपा है, जो हमारे मन के कोनों को झकझोरता है-क्या ये यंत्र, जो हमारी जिंदगी को सरल बनाते हैं, हमारे मानसिक स्वास्थ्य को चुपके से प्रभावित कर रहे हैं? यह प्रश्न केवल एक विचार नहीं, बल्कि हमारे युग की सबसे जरूरी और अनछुई बहस का आह्वान है।

आज स्मार्ट डिवाइसेज हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं। ये यंत्र तुरंत जानकारी देते हैं, घरेलू कार्य को स्वचालित करते हैं, और हमें मनोरंजन के अनंतनगर रास्ते खोलते हैं। मगर क्या हमने कभी सोचा कि इनके निरंतर उपयोग का हमारे मन पर क्या असर पड़ रहा है? एक ओर, ये डिवाइसेज तनाव से



लाभदायक व्यवसाय है भारत में पोल्ट्री फार्मिंग

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा।

विश्व स्तर पर, भारत अंडा उत्पादन में दुनिया में तीसरे और चिकन मांस उत्पादन में दुनिया में पांचवें स्थान पर है। यद्यपि उत्पादन मुख्य रूप से व्यावसायिक साधनों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, लेकिन ग्रामीण पोल्ट्री क्षेत्र भी भारतीय पोल्ट्री उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री का बिजनेस शुरू कर सकता है। हालांकि पोल्ट्री बिजनेस को शुरू करने से पहले उचित योजना और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। तो चलिए जानते हैं कि कैसे शुरू करें पोल्ट्री का व्यवसाय

उपयुक्त स्थान चुनना

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा। भूमि का क्षेत्र उन पक्षियों की संख्या पर निर्भर करता है जिन्हें आप पालना चाहते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग के लिए जगह चुनते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। मसलन, ग्रामीण क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मिंग करें क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि और श्रम अपेक्षाकृत सस्ते हैं। शोर मुक्त और शांत जगह का चयन करें। कोशिश करें कि जगह प्रदूषण मुक्त हो। साथ ही भूमि का चयन करते समय पर्याप्त मात्रा में ताजे और साफ पानी का एक बड़ा स्रोत सुनिश्चित करें। इतना ही नहीं, उस स्थान से शहर में परिवहन व्यवस्था पर भी ध्यान दें और अगर आपके द्वारा चुने गए स्थान के पास ही मार्केट हो तो काफी अच्छा रहेगा। इससे आपका परिवहन का व्यय काफी हद तक बच जाएगा।

वित्त व्यवस्था करना

जमीन खरीदने से लेकर मुर्गी पालन तक आपको काफी खर्च करना पड़ेगा। इसलिए पहले आप वित्त व्यवस्था की ओर ध्यान दें। अगर आपके पास जमा पूंजी है, तो ठीक है, अन्यथा आप बैंक लोन के बारे में भी विचार कर सकते हैं। वर्तमान में बैंक पोल्ट्री फार्मिंग के लिए लोन प्रदान करते हैं।

मुर्गियों का चयन

पोल्ट्री फार्मिंग में सबसे मुख्य कदम होता है मुर्गियों का चयन करना। दरअसल, आपको पहले यह

सुनिश्चित करना होगा कि मुर्गी पालन के जरिए आप किस तरह आमदनी करना चाहते हैं। मसलन, आप अंडे बेचना चाहते हैं या मीट। अगर आप अंडे उत्पादन करके उन्हें बेचना चाहते हैं तो इसके लिए दृग्धन् मुर्गी का चयन करें। वहीं अगर आप मीट बेचकर ऐसे कमाने के इच्छुक हैं तो मुर्गियों को पालना अच्छा रहेगा।

मुर्गी के लिए घर तैयार करना

इसके बाद बारी आती है मुर्गियों के लिए घर तैयार करने की। हालांकि यह जमीन खरीदने जैसा महंगा भी नहीं है। पोल्ट्री पक्षियों के लिए एक अच्छा घर बनाने के कई तरीके हैं। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि घर या पिंजरे पर्याप्त और विशाल हो ताकि पक्षियों को उसमें किसी तरह की परेशानी ना हो। उनके पिंजरे में उचित वेंटिलेशन सिस्टम बनाएं। घर के अंदर पर्याप्त मात्रा में ताजी हवा और प्रकाश का प्रवाह सुनिश्चित करें। यदि आप बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन करना चाहते हैं तो कई घर बनाएं और एक घर से दूसरे घर की दूरी कम से कम 40 फीट रखें। घर को हमेशा साफ और ताजा रखें। और चूजों को खेत में लाने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अलावा घर के अंदर एक उपयुक्त जल निकासी व्यवस्था बनाएं। यह आपको घर को आसानी से साफ करने में मदद करेगा।

भोजन

अगर आप चाहते हैं कि आपका बिजनेस अच्छा चले तो आपको मुर्गियों का सही तरह से खयाल रखना होगा। अच्छे और उच्च गुणवत्ता वाले पौष्टिक भोजन कर्मशियल पोल्ट्री उत्पादन के लिए जरूरी है। भारत में कई पोल्ट्री फीड उत्पादक कंपनियां उपलब्ध हैं। वे सभी प्रकार के पोल्ट्री पक्षियों के लिए फीड का उत्पादन करते हैं। आप अपने पक्षियों के लिए उन भोजन का उपयोग आसानी से कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के पोल्ट्री रोगों के कारण हजारों किसान भारी नुकसान का सामना करते हैं। इसलिए, हमेशा अपने पक्षियों की अच्छी देखभाल करें और उन्हें पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी प्रदान करें। उनका समय पर टीकाकरण करें और कुछ सामान्य और आवश्यक दवाओं का भंडारण करके रखें।

मार्केटिंग

पोल्ट्री फार्मिंग बिजनेस का आखिरी और सबसे मुख्य स्टेप है मार्केट की तलाश करना। इसके लिए आप सबसे पहले अपने लोकल मार्केट में कस्टमर ढूँढें। विभिन्न दुकानों पर आपके अंडे और मीट बिक सकते हैं। अगर आपको अपने काम के लिए बाजार अपने आसपास ही मिल जाता है तो इससे आपका परिवहन खर्च बच जाएगा और आपकी आमदनी अधिक होगी।

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं।

आमतौर पर युवा मानते हैं कि कृषि के क्षेत्र में कैरियर का कोई स्कोप नहीं है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कृषि सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और देश भर में रोजगार का एक अच्छा स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भी अहम भूमिका है और इसलिए इस क्षेत्र में कैरियर की कई संभावनाएं देखी जा सकती हैं। एग्रीकल्चर साइंस एक मल्टीडिसिप्लिनरी फील्ड है, जिसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषय शामिल हैं। यह कृषि-खाद्य उद्योग और गुणवत्तापूर्ण भोजन के कुशल उत्पादन को बढ़ावा देता है। कृषि क्षेत्र में बागवानी, खेत प्रबंधन, व्यवसाय और उद्योग शामिल हैं जो कृषि उत्पादों की खरीद और प्रक्रिया करते हैं, कृषि मशीनरी, बैंकिंग गतिविधियों का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता और कृषि उत्पादों की मात्रा में सुधार के लिए रिसर्च आदि करते हैं। अगर आप भी खेती से जुड़ी बारीकियों को जानना चाहते हैं और बेहतर उत्पादन के जरिए देश की सेवा करना चाहते हैं तो एग्रीकल्चर में कैरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं विस्तार से इसके बारे में

कोर्स व योग्यता

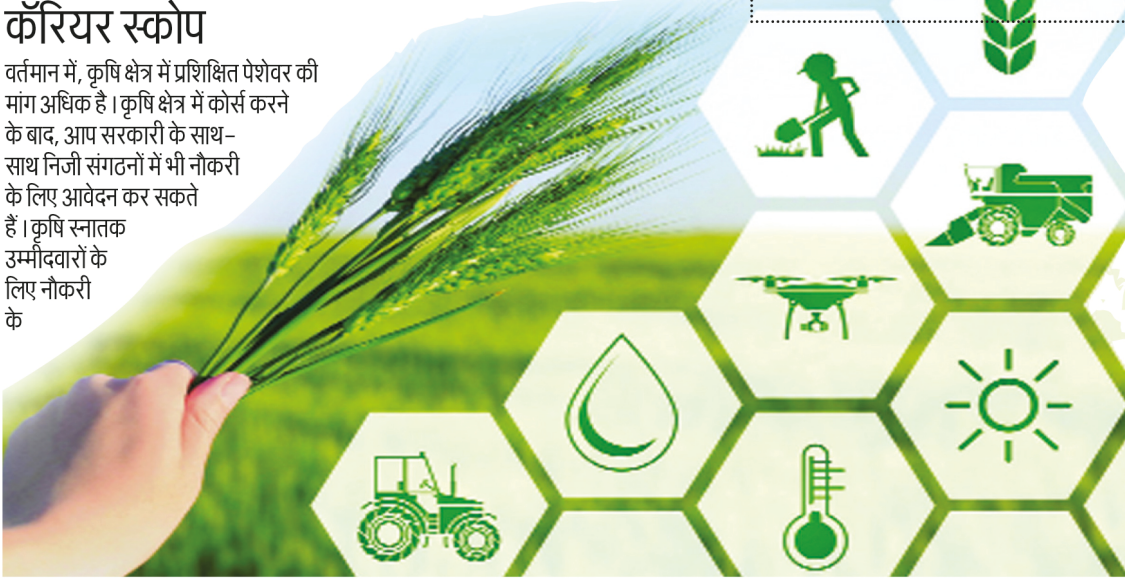
एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप एग्रीकल्चर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि विज्ञान, बागवानी, पलोरीकल्चर, कृषि अर्थशास्त्र, फॉरेस्ट्री, एग्रीकल्चर जेनेटिक्स, हीड्रोपोनिक्स, वीड साइंस, कृषि एंटोमोलॉजी, कृषि माइक्रोबायोलॉजी, सॉइल साइंस और कृषि रसायन आदि में स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों को किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल या बोर्ड से जीव विज्ञान, गणित और भौतिकी विषयों के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है।

एडमिशन

छात्र राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार अपनी 12वीं की शिक्षा पूरी करने के बाद इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि कुछ कॉलेज योग्यता परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश भी देते हैं।

कैरियर स्कोप

वर्तमान में, कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर की मांग अधिक है। कृषि क्षेत्र में कोर्स करने के बाद, आप सरकारी के साथ-साथ निजी संगठनों में भी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। कृषि स्नातक उम्मीदवारों के लिए नौकरी के



महिलाओं की हर समस्या का उपचार करती हैं स्नायनेकोलॉजिस्ट

स्त्री रोग विशेषज्ञ को विज्ञान होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सके। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करती, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों।

जब भी व्यक्ति को किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होती है तो वह डॉक्टर के पास ही जाता है। लेकिन शरीर की विभिन्न तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आज के समय में एक अलग डॉक्टर होता है, जो उस क्षेत्र का विशेषज्ञ होता है। वह व्यक्ति की परिस्थिति का गहराई से अध्ययन करके उसका एकदम सही उपचार करता है। ऐसी ही एक शाखा है स्नायनेकोलॉजी। स्नायनेकोलॉजिस्ट को स्त्री रोग विशेषज्ञ भी कहा जाता है, जो महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करती हैं। तो चलिए जानते हैं किस तरह बनें स्त्री रोग विशेषज्ञ

क्या होता है काम

स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला अंगों और प्रजनन प्रणाली के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित चिकित्सा विज्ञान की शाखा में विशेषज्ञ हैं। पेशेवरों के रूप में, स्त्री रोग विशेषज्ञ महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, महिलाओं के लिए एक प्राथमिक चिकित्सक और अन्य

चिकित्सकों के परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें प्रजनन प्रणाली में रोगों और विकारों के निदान और उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था, यौन स्वास्थ्य और बांझपन या प्रजनन कैंसर जैसी गंभीर प्रजनन समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का काम महिला जननांग, मूत्र और मलाशय के अंगों से संबंधित बीमारी और मुद्दों की पहचान करना है, रोगी को ठीक करना है और यदि आवश्यक हो, तो विकार को ठीक करने या रोगग्रस्त अंग को हटाने के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता या सर्जरी करते हैं। योग्यता - स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने के लिए, उम्मीदवारों को एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन)/एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी)/डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ मेडिसिन) या स्त्री रोग (डीजीओ) में डिप्लोमा कोर्स करना पड़ता है। इसके अलावा करीबन साढ़े चार साल का एमबीबीएस प्रोग्राम और एक साल की इंटरशिप करने के बाद आप स्नायनेकोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट कर सकते हैं।

पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (एमडी/एमएस/डीएनबी) आमतौर पर 3 साल की अवधि के होते हैं। स्त्री रोग (डीजीओ) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा 2 वर्ष की अवधि का है। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। निजी मेडिकल कॉलेजों के मामले में संस्थानों द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। व्यक्तिगत गुण - स्त्री रोग विशेषज्ञ को विद्वान होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करती, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों। इसके अलावा उनमें मजबूत नैतिकता, सेवा मानसिकता, आत्म-प्रेरित और जल्दी से निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। इन सभी गुणों के अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास अच्छी याददाश्त और याद रखने की क्षमता

होनी चाहिए। एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ में जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए, क्योंकि रोगी का जीवन पूरी तरह से उस पर निर्भर करता है। आमदनी - स्त्री रोग विशेषज्ञ का वेतन उनकी शैक्षिक डिग्री, वर्क एक्सपीरियंस, रोजगार के स्थान पर निर्भर करता है। एक फ्रेशर का वेतन 150000 से 300000 रूपए प्रतिमाह हो सकता है। वहीं चार-पांच वर्षों के अनुभव के बाद आपकी सैलरी 400000 से 800000 रूपए प्रतिमाह हो सकती है। सीनियर लेवल पर यह सैलरी 1000000 से 2000000 प्रतिमाह हो सकती है।

कैरियर की संभावनाएं

स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास जॉब की कोई कमी नहीं होती। आप सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों, क्लीनिक, आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल स्कूल या संस्थान में बतौर स्नायनेकोलॉजी लेक्चरर के रूप में काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप खुद का क्लीनिक भी खोल सकते हैं।



अपराध : मृतक को घर से बाइक पर बिठा कर ले गए थे आरोपी, दूसरे दिन राजस्थान में मिला था शव

खुलेआम घूम रहे बेटे के हत्यारे, पिता ने लगाई न्याय की गुहार

प्रदर्शन के बाद पुलिस ने दर्ज किया था एक आरोपी के खिलाफ प्रकरण, परिजन ने लगाए गंभीर आरोप

नीमच 13 मई (निप्र)। जिले के ग्राम अठाना में 6 मई को बालू राम रेगर का शव मिला था। पुलिस ने मर्ग कायम किया तो परिजनों ने हत्या का मामला बता कर प्रदर्शन किया। बाद में पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया और प्रकरण दर्ज किया। अब मंगलवार को मृतक के परिजन पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर से न्याय की गुहार करने पहुंचे। मृतक के पिता ने आरोप लगाया कि बेटे के हत्यारे खुलेआम घूम रहे हैं, पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है।

कार्रवाई पर उठे सवाल, यह लगाए आरोप - जावद पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम अठाना में 6 मई को हुई बालू राम रेगर की हत्या के मामले में पुलिस की कार्रवाई पर अब अनेक सवाल उठ रहे हैं। मृतक के पिता अमृत

राम रेगर ने परिजनों के साथ जिला मुख्यालय पहुंच कर पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल और कलेक्टर हिमांशु चंद्रा से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि घटना की रात नारायण जटिया नामक युवक बालूराम को घर से बुलाकर बाइक पर अपने मामा-नाना के गांव कोचवा, थाना कनेरा (राजस्थान) ले गया था। अगली सुबह बालूराम का शव

नया गांव के पास श्मशान की पुलिया के नाले में मिला। मृतक के पिता अमृत राम का आरोप है कि नारायण ने उसके रिश्तेदार गणपत, विकास, आत्माराम और प्यार चंद के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से बेटे बालूराम हत्या की है। क्योंकि एक व्यक्ति अकेले शव को इतनी दूर नहीं ले जा सकता। मृतक के काका लालाराम ने जावद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

यह है परिजनों के आरोप - मृतक के काका लालाराम का आरोप है कि पुलिस थाना से उन्हें रिपोर्ट की कॉपी तक नहीं दी गई। पुलिस ने धारा 174 के तहत केवल मर्ग कायम किया। जिस कारण हत्या के विरोध में परिजनों और ग्रामीणों ने गांधी चौराहे पर शव रखकर धरना दिया था। परिजनों का कहना है कि अब तक सिर्फ एक आरोपी नारायण जटिया को हिरासत में लिया गया है। अन्य आरोपी अभी भी खुले घूम रहे हैं।

इनका कहना है....
जावद थाना प्रभारी जितेंद्र वर्मा ने मीडिया को बताया कि इस मामले में एक व्यक्ति को आरोपी बनाया गया है। परिवार की शिकायत पर जांच कर आगे कार्रवाई की जाएगी।

छत्रपति संभाजी महाराज की अश्वरूढ़ मूर्ति का सम्मान समारोह सम्पन्न

धरम वीर छत्रपति संभाजी महाराज राष्ट्रीय जन्मोत्सव गौरव यात्रा

नीमच 13 मई (निप्र)। धर्मवीर छत्रपति संभाजी महाराज की घोड़े पर सवार विराट मूर्ति एक विशेष रथ में विराजमान होकर भारत देश की ऐतिहासिक यात्रा पर निकली है। यह रथयात्रा महाराष्ट्र के नाशिक, वेरूळ, संभाजी नगर और धुले होते हुए दिल्ली के लिए रवाना होकर यह मूर्ति यात्रा रात्रि 12.30 बजे मध्यप्रदेश के नीमच नगर में प्रवेश किया।इस अवसर पर विधायक दिलीप सिंह परिहार, मराठा समाज के अध्यक्ष शैलेंद्र देवधर, सचिव आनंद नवले, , कमल राव शिंदे ,चंद्र प्रकाश शिंदे, कृष्ण राव पंवार, उपाध्यक्ष स्नेहलता जाधव ,सचिव आनंद नवले, कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट रुपेश जाधव ,संभाजी राव जाधव, मार्टंड राव जाधव , चंद्रप्रकाश शिंदे, पलाशा माने, प्रीति माने,संजय पवार,रमेश मोरे ,नारायण राव कदम ,आदि समाज जन उपस्थित थे।क्षत्रिय मराठा समाज, नीमच द्वारा 11 मई को रात्रि 12.30 बजे यात्रा में शामिल प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। ऐतिहासिक अवसर पर छत्रपति



शिवाजी वाटिका, भारतीय जीवन बीमा निगम चौराहा, नीमच पर मूर्ति और उसके साथ चल रही टीम का गरिमामय सम्मान किया।

छत्रपति संभाजी महाराज राष्ट्रीय जन्मोत्सव गौरव रथ यात्रा भारत देश के पांच राज्यों में महाराष्ट्र ,मध्यप्रदेश , राजस्थान, हरियाणा होते हुए दिल्ली पहुंचेगी। यात्रा इंदौर जाकरा मंदसौर होते हुए नीमच पहुंची।यात्रा नीमच से निंबाहेड़ा, चित्तौड़गढ़ , भीलवाड़ा, किशनगढ़,अजमेर जयपुर गुड़गांव होते हुए दिल्ली की ओर प्रस्थान कर

गई। भारत क्रांति मिशन के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ विलास पांकर ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज छत्रपति शिवाजी महाराज के वीर पुत्र संभाजी महाराज ने अपने अद्वितीय पराक्रम, विद्वत्ता और स्वराज्य के लिए अपने बलिदान से इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने औरंगजेब की मुगल सत्ता के खिलाफ वीरता से संघर्ष करते हुए धर्म और मातृभूमि की रक्षा की। उनकी शौर्यगाथा आज भी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। मराठा समाज नीमच के अध्यक्ष

शैलेंद्र देवधर ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज का जन्म 14 मई 1657 को पुरंदर फोर्ट में हुआ था। वह छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र और मराठा साम्राज्य के दूसरे छत्रपति थे। संभाजी महाराज ने अपने शासनकाल में लगभग 120 लड़ाइयां लड़ीं और उन्होंने एक भी लड़ाई नहीं हारी। संभाजी महाराज ने मुगल शासक औरंगजेब के खिलाफ लड़ाई लड़ी और उन्हें पराजित किया। औरंगजेब ने तो यहां तक कहा था कि जब तक संभाजी पकड़े नहीं जाएंगे, वह अपने मुकुट

आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्राप्त किया

नीमच 13 मई (निप्र)। अग्रवाल समाज नीमच के तत्वाधान में आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर एवं बाल संस्कारशाला कार्यक्रम में 45 बालक बालिकाओं एवं 20 महिलाओं द्वारा आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। अभ्यास प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह गुरुवार 15 मई को अग्रवाल पंचायत भवन बारादरी के सभागार में सुबह 9 बजे आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में अध्यक्षता अग्रवाल समाज नीमच के अध्यक्ष ओमप्रकाशजी बंसल स्वतंत्र रोड लाईस करेंगे।

इस अवसर पर शिविर में सहभागी सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र तथा प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। उक्त प्रमाण पत्र के शासकीय सेवा में तीन नंबर जुड़ते हैं। इस अवसर पर प्रशिक्षण देने वाले कोच एवं उनके सहयोगियों का भी सम्मान किया जाएगा।अग्रवाल समाज द्वारा लड़कों के साथ बालिकाओं और महिलाओं को भी आत्मरक्षा एवं आत्मनिर्भर बनने का प्रशिक्षण सिखाया जा रहा है जहां समाज के 45 से ज्यादा बालक बालिकाओं के साथ 20 से अधिक महिलाओं को दण्ड लाठी चलाना सेल्फ डिफेंस के लिए जरूरी मार्शल आर्ट जुड़ो कराते आदि का प्रशिक्षण विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किया जा रहा है। महिलाओं का 10 तथा बच्चों का 15 दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। अभ्यास शिविर के माध्यम से विपरीत परिस्थितियों में भी संघर्ष करने की क्षमता मिलेगी इसी उद्देश्य के अंतर्गत अग्रवाल समाज के तत्वाधान में महिलाओं और बच्चों के लिए जुड़ो कराते दंड चलाना और आत्मरक्षा प्रशिक्षण अभ्यास शिविर का आयोजन अग्रवाल समाज नीमच द्वारा अग्रवाल पंचायत भवन बारादरी नीमच में प्रतिदिन सुबह 8से 10 बजे तक योग्य शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। बाल संस्कार संयोजिका लता गर्ग, सहसंयोजिका श्रीमती प्रभा गर्ग, निमला अग्रवाल ने बताया कि शिविर में विशेष कर महिलाओं और बालिकाओं को दंड संचालन लाठी

चलाना सिखाया गया है। मध्य प्रदेश शिक्षा विभाग टीम कोच मार्शल आर्ट के मास्टर ट्रेनर ब्लैक बेल्ट-1 डिग्री भरत सिंह कुमावत और उनके सहयोगी जय कुमावत, हर्ष कुमावत, प्रशिक्षकों द्वारा अभ्यास शिविर में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। साथ ही दंड संचालन के लिए सुमन गोयल, लक्ष्मी प्रेमाणी और उनके 2 सहयोगी प्रशिक्षक प्रतिदिन शिविर में प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

....ये तकनीक सीख रहे हैं, रक्षा से संबंधित व्यायाम खेल के मूल स्किल, रोल तकनीक, फॉल ,फ्रंट साइड, बैक तकनीक, थ्रू तकनीक पैर व हाथ से कमर से गिराने के तरीके, ड्रिप थ्रो ,शौल्डर थ्रो, लैग थ्रो, विरोधी को विभिन्न प्रकार से दबोचने के तरीके लॉक, चोक एवं फाइट तकनीक की इत्यादि सिखाई जा रही है साथ ही आत्मरक्षा बिना किसी हथियार के निहत्थे ही किस प्रकार से की जाए इसके लिए चाकू व लाठी से बचाव आदि विभिन्न प्रकार की तकनीक भी सिखाई गईं।

डकनिया स्टेशन का नाम अब 'न्यू कोटा' नए नाम को गृह मंत्रालय ने दी मंजूरी!

पीपल्यामण्डी । डकनिया तलाव रेलवे स्टेशन का नाम अब 'न्यू कोटा' होगा। गृह मंत्रालय ने इस नए नाम को मंजूरी दी है। आगे की कार्रवाई अब राजस्थान सरकार करेगी। बताया जा रहा है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से यह संभव हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस नाम परिवर्तन के लिए 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (एनओसी) जारी किया है।

मंत्रालय ने राज्य सरकार से कहा है कि वह शीघ्र ही गजट अधिसूचना जारी कर नाम परिवर्तन की जानकारी सवें ऑफ इंडिया सहित अन्य संबद्ध संस्थाओं को भेजे। राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने के बाद डकनिया तलाव स्टेशन को आधिकारिक रूप से 'न्यू कोटा रेलवे स्टेशन' के रूप में मान्यता मिल सकेगी।

हो रहा पुनर्विकसित-उल्लेखनीय है कि दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर स्थित डकनिया एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 111.18 करोड़ रुपए की लागत से डकनिया स्टेशन को पुनर्विकसित किया जा रहा है। नई कोटा की बड़ी आबादी को इसका विशेष लाभ होगा।

'कोटा सिटी' ज्यादा ठीक था-उल्लेखनीय है कि स्थानीय लोगों द्वारा वर्षों से इस स्टेशन का नाम बदलने की मांग की जा रही थी। ऐसे में लोगों का कहना है कि इसका नाम 'न्यू कोटा' की जगह 'कोटा सिटी' होता तो और भी ज्यादा अच्छा होता।

तनीषा पाटीदार का किया सम्मान



नीमच 13 मई (निप्र)। मनासा में आयोजित जनसुनवाई में हाई स्कूल अल्हेड की छात्रा कुमारी तनीषा पाटीदार पिता मुकेश पाटीदार को, जो राज्य की मेरिट में दसवें स्थान पर रही है, का सम्मान किया गया। तनीषा ने 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। उन्हें अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पवन बारिया

द्वारा सम्मानित किया गया और उपहार भेंट किए। सभी खण्ड स्तरीय अधिकारियों और जनपद सीईओ अरविन्द डामोर ने तनीषा को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। बालिका के पिता मुकेश पाटीदार तथा विद्यालय के प्राचार्य बैरागी को भी सम्मानित किया गया।

श्रमोदय आदर्श आईटीआई में प्रवेश के लिए पंजीयन करवाएं

नीमच 13 मई (निप्र)। श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. भोपाल में संचालित 8 ट्रेडों में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रवेश प्रक्रिया डीएसडी पोर्टल पर होगी। नए सत्र के लिए आवेदक www.dsd.mpp.gov.in पर पंजीयन 31 मई 2025 तक कर सकते हैं। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के जिले के पंजीकृत श्रमिक एवं उनके आश्रित परिवार के सदस्य श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. में एक वर्षीय एवं दो वर्षीय व्यवसाय में नि:शुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

पत्नी को दी जान से मारने की धमकी, केस दर्ज

पिपलिया मण्डी 13 मई (निप्र)। पत्नी को जान से मारने की धमकी देने वाले पति के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया। रत्नेश्वर रोड रतलाम, हाल मुकाम पिपलियामंडी टीलाखेड़ा बालाजी मंदिर के पीछे निवासरत गंगा माली ने पिपलिया चौकी पर शिकायत दर्ज कराई कि 11 वर्ष पुराने शादी हुई थी, वर्तमान में 8 वर्षीय बेटी शिया है। बीती रात्रि पति बबलू माली ने मोबाइल पर काल कर गालियां दी व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पति के खिलाफ केस दर्ज किया।

जिला प्रशासन द्वारा आज से जिले में चार दिवसीय ईकेवायसी महाअभियान का आयोजन

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं वार्ड में जन सहयोग से कार्यक्रमों का आयोजन

नीमच 13 मई (निप्र)। जिला प्रशासन द्वारा जिले में आज 14 मई से 17 मई 2025 तक विभिन्न प्रकार के ईकेवायसी करने के लिए विशेष महाअभियान आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत समग्र, खाद्य, आधार, अर.ओ.आर., ईकेवायसी एवं फार्मर रजिस्ट्री का शतप्रतिशत कार्य किया जावेगा। इसके साथ ही अपात्र, पलायन कर चुके हितग्राहियों एवं ड्रुप्तीकेट समग्र को डिलीट करने का कार्य भी इस महाअभियान के तहत किया जावेगा। इस महाअभियान में जिले की सभी ग्राम पंचायतों और शहरी

वाडों में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जन सहयोग से श्रमदान के कार्यक्रम आयोजित किए जावेंगे। इन कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह जानकारी कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला अधिकारियों की बैठक में दी गई। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेड़े, सभी एसडीएम एवं डिप्टी कलेक्टर्स सहित अन्य जिला

अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर चंद्रा ने सभी जिला नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए, कि वे इस अभियान के दौरान आवंटित ग्राम पंचायतों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे और जन सहयोग से जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत एक-एक कार्य अवश्य प्रारंभ करवाएं। साथ ही क्षेत्र में ईकेवायसी कार्य की प्रगति की मॉनिटरिंग भी करें।

सीएम हेल्ललाईन प्रकरणों का निराकरण करें :- बैठक में सीएम हेल्ललाईन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विभागवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने

सभी विभागों को निर्देश दिए, कि वे 50 व 100 दिवस से अधिक की लंबित शिकायतों को संतुष्टि के साथ निष्कृत करवाएं। कलेक्टर ने पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत प्राप्त आवेदनों का सत्यापन करने के निर्देश भी सभी सीएमओ एवं जनपद सीईओ को दिए। सभी सीएमओ को 50 दिवस से उपर की सीएम हेल्ललाईन की सभी शिकायतों का निराकरण कर, ए ग्रेड हासिल करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बैठक में सभी सीएमओ एवं जनपद सीईओ निर्देश दिए, कि संबल योजना के तहत मृत्यु के प्रकरणों में अंज्येटी सहायता का नियमानुसार तत्काल भुगतान सुनिश्चित हो। साथ ही 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का प्रकरण भी तत्काल तैयार कर एक माह में परिवार को आर्थिक सहायता का अनिवार्य रूप से भुगतान किया जाए। इसमें उदासीनता नहीं बरती जाए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को उपखण्ड स्तर पर प्रतिमाह बीएल बी.सी. की बैठक आयोजित कर, विभिन्न स्वयंसेवार् एवं हितग्राहीमूलक योजनाओं की लक्ष्यपूर्ति की नियमित रूप से समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु **42000/-**
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु **42000/-** से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र

रु ~~81000/-~~ रु **76000/-***
(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।